मानव विकास के **सोशियोजेनिक कारक (Sociogenic Factors)** उन बाहरी और सामाजिक वातावरण को संदर्भित करते हैं जो व्यक्ति के व्यवहार, मूल्यों, और व्यक्तित्व को आकार देते हैं। सरल शब्दों में, यह "पोषण" (**Nurture**) का वह हिस्सा है जो हमें समाज से मिलता है।

यहाँ सोशियोजेनिक कारकों का विस्तृत विवरण दिया गया है:

---

1. परिवार और पालन-पोषण (Family & Parenting)

परिवार समाज की सबसे छोटी और प्राथमिक इकाई है। बच्चा सबसे पहले यहीं से सीखना शुरू करता है।

- **पालन-पोषण की शैलियाँ (Parenting Styles): * Authoritative (लोकतांत्रिक):** जहाँ माता-पिता बच्चों की सुनते भी हैं और नियम भी बनाते हैं। ऐसे बच्चे आत्मनिर्भर और सामाजिक रूप से कुशल होते हैं।
    - **Authoritarian (तानाशाही):** जहाँ केवल नियम होते हैं। इससे बच्चों में हीन भावना या अत्यधिक विद्रोह पैदा हो सकता है।
- **परिवार की संरचना:** संयुक्त परिवार में बच्चा साझा करना और बड़ों का सम्मान जल्दी सीखता है, जबकि एकल परिवार (Nuclear Family) में वह अधिक आत्मनिर्भर हो सकता है।

---

2. संस्कृति (Culture)

संस्कृति वह "सॉफ्टवेयर" है जो हमारे दिमाग में बचपन से डाला जाता है।

- **मूल्य और विश्वास:** भारतीय संस्कृति में 'पैर छूना' या बड़ों का सम्मान करना सिखाया जाता है, जो बच्चे के सामाजिक व्यवहार का हिस्सा बन जाता है।
- **सामूहिकता बनाम व्यक्तिवाद:** पश्चिमी संस्कृतियों में व्यक्तिगत सफलता पर जोर होता है, जबकि एशियाई संस्कृतियों में परिवार और समाज के प्रति जिम्मेदारी पर।

---

3. साथी समूह (Peer Groups)

जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है, उसके दोस्तों का प्रभाव बढ़ता जाता है।

- **सामाजिक पहचान:** बच्चा अपने दोस्तों के साथ रहकर यह सीखता है कि समाज में उसकी क्या जगह है।
- **पीयर प्रेशर (Peer Pressure):** सकारात्मक साथी समूह बच्चे को मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है, जबकि नकारात्मक समूह उसे गलत आदतों (जैसे धूम्रपान या अनुशासनहीनता) की ओर ले जा सकता है।

---

4. विद्यालय और शिक्षा (School & Education)

स्कूल बच्चे का दूसरा घर होता है जहाँ वह औपचारिक रूप से समाज के नियमों को सीखता है।

- **अनुशासन और नैतिकता:** स्कूल में समय की पाबंदी और नियमों का पालन करना सिखाया जाता है।
- **छिपा हुआ पाठ्यक्रम (Hidden Curriculum):** स्कूल में बच्चा केवल गणित या विज्ञान नहीं सीखता, बल्कि वह प्रतिस्पर्धा (Competition), सहयोग (Cooperation) और हार-जीत को स्वीकार करना भी सीखता है।

---

5. सामाजिक-आर्थिक स्थिति (Socio-Economic Status - SES)

परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति विकास के अवसरों को निर्धारित करती है।

- **संसाधनों तक पहुँच:** अच्छी आय वाले परिवारों के बच्चों को बेहतर पोषण, स्वास्थ्य सुविधाएँ और शिक्षा के अवसर मिलते हैं।
- **तनाव और असुरक्षा:** गरीबी या आर्थिक तंगी बच्चे के मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिससे उसमें भविष्य के प्रति असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है।

---

6. मास मीडिया और तकनीक (Media & Technology)

आज के युग में टीवी, इंटरनेट और सोशल मीडिया सोशियोजेनिक कारकों में सबसे शक्तिशाली बन गए हैं।

- यह बच्चों के सोचने के तरीके, उनकी भाषा और यहाँ तक कि उनके कपड़ों के चुनाव को भी प्रभावित करता है।

- मीडिया के माध्यम से बच्चे वैश्विक मुद्दों से जुड़ते हैं, लेकिन साइबर बुलिंग और गलत सूचनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है।

सोशियोजेनिक कारकों का प्रभाव: एक सारांश

कारक	मुख्य प्रभाव
परिवार	बुनियादी सुरक्षा, नैतिकता और आत्म-सम्मान।
संस्कृति	सामाजिक व्यवहार, धर्म और परंपराओं की समझ।
मित्र	समूह में तालमेल और पहचान का निर्माण।
SES	अवसर, स्वास्थ्य और भविष्य की संभावनाएँ।

निष्कर्ष

सोशियोजेनिक कारक तय करते हैं कि एक बच्चा अपनी जैविक क्षमताओं (**Biogenic**) का उपयोग किस प्रकार करेगा। यदि समाज सहायक है, तो एक औसत क्षमता वाला बच्चा भी बहुत आगे निकल सकता है, जबकि संसाधनों के अभाव में एक प्रतिभाशाली बच्चा भी पिछड़ सकता है।